International Journal of Multidisciplinary Education and Research
ISSN: 2455-4588; Impact Factor: RJIF 5.12
www.educationjournal.in
Volume 1; Issue 6; August 2016; Page No. 42-43

डिजिटल इंडिया कार्यक्रमों की उपयोगिता

डॉ0 सुनीला एक्का

सहायक प्राध्यापक (राजनीति शास्त्र), शासकीय महाविद्यालय मरवाही, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़, भारत।

प्रस्तावना

दुनिया भर के तमाम देशो ने टेक्नालॉजी (Technology) के क्षेत्र में नये–नये प्रयोग हो रहे हैं और लोगों की जिन्दगी को संवारने की जो कोशिशे चल रही है इससे इतनी उम्मीदें जागती हैं कि दुनियाभर के लोग अपनी स्थितियों को सुधारने में किसी भी सीमा तक जाने के लिए तैयार हैं। यह एक आशावादी विश्वदृष्टिकोण है जो टेक्नालॉजी के क्षेत्र में हो रहे नित नये अनुठे प्रयोगों को लेकर सहज रूप से संतुष्ट करती है।

डिजिटल अर्थात चक्रीय क्रांति टेक्नालॉजी की दुनिया को नयी गति दी इसे डिजिटल या चक्रीय क्रांति इसलिए कहा जाता है क्योंकि इस सिस्टम का सारा खेल जीरो और वन (0.1) के रूप में खेला जाता है। डिजिटल तकनीक इन्हीं संख्याओं के आधार पर टिका रहता है। टेक्नालॉजी और ग्लोबल विकास एक ऐसा क्षेत्र है जिसके चलते विकासशील देशों में क्रांतिकारी बदलाव हुए हैं। टेक्नालाजी बहोत तेजी से बदलती है क्योंकि यह हमें सपने देखने की सम्भावनाएं ज्यादा देती है। टेक्नालाजी की खास बात यह होती है कि यह स्थिर नहीं होती बल्कि एक परिवर्तन के बाद दुसरा परिवर्तन इसकी जरूरत बन जाती है इसलिए सेलुलर टेक्नालाजी (Cellular Technology) के विकास को अंतिम नहीं माना जा सकता और यह भी नहीं कहा जा सकता कि इसके विकास से दुनियां की जरूरतें पूरी हो जायेंगी। डिजिटल क्रांति या डिजिटल सशक्तिकरण का सूत्रपात हो चुका है व इसका प्रभाव या असर भी दिखाई पड़ रहा है। इसके अंतर्गत मोबाइल फोन्स या डिजिटल कम्प्युटर के बदलते अंदाज, सभी जगहों पर नेटवर्क कवरेज का दायरा बढ़ता जा रहा है। व्यापक पैमाने पर बेहतर उपकरण एवं एप्लीकेशन (Application) का इस्तेमाल हो रहा है। अब ज्यादा से ज्यादा लोगों तक बढ़िया व सस्ती टेक्नालॉजी पहुंच रही है।

डिजिटल इंडिया (Digitial India) भारत सरकार का प्रमुख कार्यक्रम है डिजिटल इंडिया का लक्ष्य भारत को डिजिटल रूप में एक सुदृढ़, सशक्त व आर्थिक व्यवस्था में ऊंचा उठाना व नयी अर्थव्यवस्था के बदलते हुए आई. टी. (Information Technology) को प्राप्त करके इसे परिवर्तनकारी बनाना है। डिजिटल इंडिया को इनके कार्यक्रमों से वंचित गरीब व अमीर, ग्रामीण व शहरी, शहरी व ग्रामीण के बीच की दुरियों को कम करने का प्रयास किया गया है। डिजिटल इंडिया (Digitial India) के विकास में आवश्यक स्तम्भों में ब्राडबैण्डहाईवे, मोबाईल कनेक्टीविटी (Mobile Conectivity) के लिए युनिवर्सल एक्सेस, सार्वजनिक इंटरनेट एक्सेस कार्यक्रम सभी के लिए सूचना इलेक्ट्रानिक्स विनिर्माण, नौकरीयों के लिए आई. टी. व अर्ली हारवेस्ट कार्यक्रमों को अधिक अपनाने पर जोर दिया गया है। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के अंतर्गत पहली बार योजनाओं के तहत दी जाने वाली सब्सिटी छोड़ने की सलाह दी गई है इसके लिए जैसे (जन–धन, आधार और मोबाईल) को चुना गया है।

ग्रामीण क्षेत्रों में जहां दुरगम एवं दुरस्थ क्षेत्रों ग्रामीण डिजिटल ब्राण्डबैण्ड व उन्नत गति के इंटरनेट के माध्यम से जुड़े इलेक्ट्रानिक सेवाएं जो आम नागरिक के सेवाओं से जुड़े हुए हैं आम नागरिक तक पहुंचाना ही इसका प्रमुख लक्ष्य है। इस क्रम में नागरिक सुविधाओं को ध्यान में रख कर विभिन्न सुविधाओं का ऑनलाईन वितरण की सुविधाओं को उच्च गति से इंटरनेट पर उपलब्ध कराना है। इसके अतिरिक्त डिजिटल पहचान, डिजिटल लॉकर, वित्तीय लेन–देनों को इलेक्ट्रानिक और नगद रहित (Cash Less) करना डिजिटल सेवाओं में परिवर्तन द्वारा व्यापार में सुधार किया जाना नागरिक सेवाओं को ऑनलाईन करना और मोबाईल प्लेटफार्मो के माध्यम से सहीं व वास्तविक समय पर उपलब्ध कराना आदि नागरिक सुविधाओं में आता है। डिजिटल सेवाओं के लक्ष्यो में सार्वभौमिकता, डिजिटल साक्षरता, डिजिटल संशाधनों एवं सेवाओं का भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराना शासन के डिजिटल सहभागिता कार्यक्रमों को जन–जन तक पहुंचाना उन्हें जागरूक कर अधिक से अधिक डिजिटल कार्यक्रमों की सेवाओं से जोड़ना है।

सुशासन को दुनियाभर के देशों में महत्वपूर्ण लक्ष्य माना जाता है इंटरनेट (Internet) क्रांति ने सुशासन की योजनाओं के क्रियान्वयन में सशक्त माध्यम साबित हुए हैं। इंटरनेट के कारण सेवाओं की हर जगह, हर समय उपलब्धता की संभावना बन जाती है। कम्प्युटरीकरण के पहले हमें ट्रेन, बस, हवाईअड्डों के टिकटों के आरक्षण के लिए खड़ा होना पड़ता था। कम्प्युटरीकरण होने के बाद में सुविधाएं हमें अब इंटरनेट और मोबाईल आधारित व्यवस्था लागू होने से न्यूनतम खर्च करके इन सुविधाओं का तत्काल लाभ मिल जाता है। इसी तरह टेलीफोंन बिल, बिजली बिलों का भुगतान भी इंटरनेट से होने के कारण आम उपभोक्ताओं को बहुत मददगार सुविधा प्राप्त होने लगी है। इंटरनेट की सुविधाओं से नागरिक सुविधाओं को त्वरित लाभ मिलने लगा है।

डिजिटल इंडिया (Digital India) कार्यक्रमों की वर्तमान परिवेश में हमारी प्रमुख आवश्यकता या जरूरत है जिससे हम विश्व के अन्य विकसित देशों के समकक्ष आ सकें। डिजिटल कार्यक्रमों से हम पुराने तंत्र को बदल सकें, अधिक से अधिक नागरिक डिजिटल कार्यक्रमों के अंतर्गत आने वाली सुविधाओं का लाभ ले सकें। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम तभी सार्थक हो पायेगा जबकि इनकी समूचित सुविधाओं का लाभ सभी लोगों को मिल

सके। डिजिटल इंडिया कार्यक्रम विजन में भारत डिजिटली सशक्त समाज व ज्ञानवान अर्थव्यवस्था के रूप में परिवर्तित कर पायेगा।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. कुरूक्षेत्र पत्रिका/अगस्त 2015/ पृष्ठ 17, 18, 19।
2. कुरूक्षेत्र पत्रिका नवम्बर 2015/पृष्ठ 17, 18।
3. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम/भारत भाग्य विधाता/पृष्ठ 61,63, 64।